इश्यूलियन संस्कृति (Acheulian Culture)

परिचय :

Acheulian संस्कृति पुरापाषाण युग (Palaeolithic Age) की एक महत्वपूर्ण और उन्नत संस्कृति मानी जाती है। यह संस्कृति मुख्यतः निचले पुरापाषाण काल (Lower Palaeolithic Period) से संबंधित है। इसका नाम फ्रांस के एक स्थान Saint-Acheul से पड़ा, जहाँ इस संस्कृति के उपकरण सबसे पहले खोजे गए थे।

कालावधि :

Acheulian संस्कृति लगभग 15 लाख वर्ष पूर्व से लेकर लगभग 1 लाख वर्ष पूर्व तक मानी जाती है। यह संस्कृति मानव के विकास के उस चरण से जुड़ी है जब होमो इरेक्टस (Homo erectus) प्रकार का मानव धरती पर निवास करता था।

भौगोलिक प्रसार :

Acheulian संस्कृति के अवशेष यूरोप, अफ्रीका और एशिया के कई क्षेत्रों में मिले हैं।

भारत में इसके प्रमुख स्थल निम्नलिखित हैं –

1. सोन घाटी (मध्य प्रदेश)
2. नर्मदा घाटी (मध्य प्रदेश)
3. हनुमानगढ़ी (उत्तर प्रदेश)
4. भेड़ाघाट और पचमढ़ी (मध्य प्रदेश)
5. अदिचनल्लूर और अत्तिराम्पक्कम (तमिलनाडु)
6. दामोदर घाटी (झारखण्ड)

मुख्य विशेषताएँ :

1. उपकरण निर्माण की तकनीक :

Acheulian लोग पत्थर को ठोक-पीटकर धारदार उपकरण बनाते थे।

ये उपकरण द्विमुखी (biface) होते थे, अर्थात् दोनों ओर से तराशे हुए।

उपकरणों में हाथ-कुल्हाड़ी (Hand Axe), क्लीवर (Cleaver), चॉपर (Chopper) प्रमुख थे।

2. प्रयोग किए गए पदार्थ :
मुख्यतः क्वार्टजाइट (Quartzite), फ्लिन्ट (Flint), और बेसाल्ट (Basalt) पत्थरों का प्रयोग किया जाता था।
3. जीवन शैली :
Acheulian मनुष्य शिकारी-संग्रहकर्ता (Hunter-gatherer) था।
वह प्राकृतिक गुफाओं या खुले मैदानों में रहता था।
उसने अग्नि का प्रयोग करना सीख लिया था।
4. अर्थिक गतिविधियाँ :
शिकार करना, फल-फूल, जड़ें इत्यादि एकत्रित करना इनके मुख्य जीवन-यापन के साधन थे।
प्रारंभिक सामाजिक जीवन का विकास इसी समय से हुआ।
5. सांस्कृतिक विकास :
Acheulian काल में मानव ने प्रकृति पर आंशिक नियंत्रण प्राप्त किया।
उपकरणों के निर्माण की कुशलता और नियमितता सांस्कृतिक प्रगति को दर्शाती है।
भारत में Acheulian संस्कृति का महत्व :
भारत में Acheulian संस्कृति के अवशेष यह सिद्ध करते हैं कि भारतीय उपमहाद्वीप में भी मानव का विकास विश्व के अन्य भागों के समानांतर हुआ।
अत्तिराम्पक्कम (तमिलनाडु) से प्राप्त प्रमाणों से पता चलता है कि यह संस्कृति भारत में लगभग 17 लाख वर्ष पुरानी हो सकती है — जो विश्व की प्राचीनतम Acheulian स्थलों में से एक है।
उपकरणों के प्रकार :
1. हाथ कुल्हाड़ी (Hand Axe) – पेड़ काटने, हड्डियाँ तोड़ने या मांस काटने में प्रयुक्त।
2. क्लीवर (Cleaver) – भारी कार्यों के लिए उपयोग में लाया जाता था।
3. चॉपर (Chopper) – लकड़ी या पत्थर काटने में सहायक।
4. फ्लेक टूल्स (Flake Tools) – धारदार किनारों वाले छोटे औजार।

Acheulian संस्कृति का पतन :

समय के साथ जलवायु में परिवर्तन और मानव मस्तिष्क के विकास के कारण नए औजार और तकनीकें विकसित हुईं। धीरे-धीरे Acheulian संस्कृति की जगह मध्य पुरापाषाण संस्कृति (Middle Palaeolithic Culture) ने ले ली।

निष्कर्ष :

Acheulian संस्कृति मानव सभ्यता के विकास का एक महत्वपूर्ण चरण थी। इस संस्कृति में उपकरण निर्माण की उन्नत तकनीक, अग्नि का उपयोग, और सामाजिक संगठन की प्रारंभिक झलक दिखाई देती है। यह मानव इतिहास की उस यात्रा का प्रतीक है जहाँ मनुष्य ने अपनी बुद्धि और श्रम से प्रकृति पर अधिकार जमाना प्रारंभ किया।